राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 256 | जौनपुर | मंगलवार, 06 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक जारी, कई अहम फैसलों पर मुहर लगने की संभावना

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक आज हुई। बैठक के बाद हुई पत्रकार वार्ता में मंत्री सुरेश खन्ना ने इस बैठक के महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में जानकारी दी। कैबिनेट के फैसलों में प्रदेश में पार्किंग का स्थान तय करने पर चर्चा हुई। कैबिनेट ने फैसला लिया कि उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगमों में एक समान पार्किंग नियम लागू किए जाएंगे। इसके साथ ही साथ प्रदेश में कर्मचारियों के तबादलों की नई नियमों की घोषणा की गई। इसी बैठक में तबादले की नई नीति पर मुहर लगी। अब प्रदेश के सभी कर्मचारियों के तबादले 15 मई से 15 जून के बीच होगी। उसके पहले

संबंधित विभाग में इसकी पूरी प्रक्रिया कर ली जाएगी। योगी सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी स्थित दुधवा टाइगर रिजर्व में दुधवा महोत्सव कराने का निर्णय लिया है। दुधवा महोत्सव नवंबर में होगा। यह प्रदेश का पहला आवासीय सांस्कृतिक एवं वन्यजीव महोत्सव है। तीन दिवसीय महोत्सव–25 न सिर्फ प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और जैविक समृद्धि का उत्सव होगा, बल्कि यह पर्यटकों को जंगल की गोद में प्रकृति से जुड़ने और थारू संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी देगा। साथ ही देश की जानी मानी हस्तियों द्वारा परफॉर्मेंस भी दी जाएगी। यूपी में बिजली की खरीद अडानी पॉवर लिमिटेड से होगी। लगभग 5 रूपए 38 पैसे प्रति यूनिट की दर से यह बिजली खरीदी जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक इससे 2958 करोड़ की बजत होगी। यूपी में निजी बसों के संचालन को व्यवस्थित करने के लिए सरकार उत्तर प्रदेश स्टेट कैरिज बस अड्डा है।

देशभर में मॉकड्रिल की तैयारी जारी पीएम मोदी–एनएसए डोभाल के बीच हुई अहम बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में मॉकड्रिल की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के चलते सरकार ने 7 मई को कई राज्यों में मॉक ड्रिल करवाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सिविल डिफेंस से जुड़े लोगों को आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मॉक ड्रिल के तहत आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रशिक्षण होगा। युद्ध या आपदा की स्थिति में पहले मॉक ड्रिल की जाती है। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय में चल रही बैठक में देश भर में 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है।

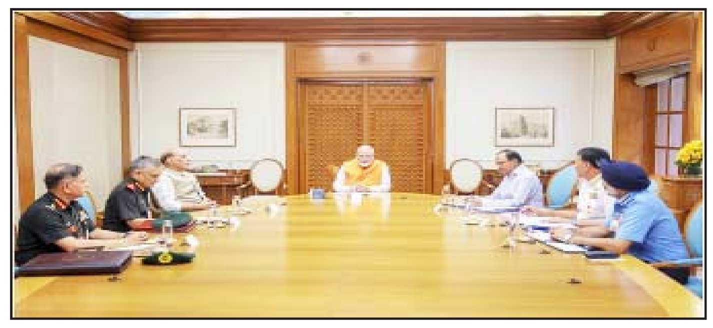

बैठक में यह भी देखा जा रहा है कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित ब्लैकआउट के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया। राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इन जिलों को अभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सक्रिय हैं। ये नियमित रूप से यातायात और भीड़ प्रबंधन सहित नागरिक कर्तव्यों में लगे रहते हैं।

केंद्रीय गृह सचिव सिविल डिफेंस पर करेंगे बैठक, 244 जिलों में मॉक ड्रिल होगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच हालात काफी तनाव भरे हो गये हैं। पाकिस्तान तो अपनी तोपे भी तैयार करके बैठा है और रोजाना हमला करने की धमकी देता रहा है। अब भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत के गृह सचिव गोविंद मोहन ने सिविल डिफेंस को लेकर मंगलवार को सुबह 10रू45 बजे बैठक बुलाई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों से नागरिक सुरक्षा तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए कल मॉक ड्रिल आयोजित करने को कहा है। इसने देश के 244 वर्गीकृत नागरिक सुरक्षा जिलों में नागरिक सुरक्षा अभ्यास और रिहर्सल आयोजित करने का निर्णय लिया है। अभ्यास का आयोजन गांव स्तर तक करने की योजना बनाई गई है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन भी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल पर बैठक करने वाले हैं। हमारे संवाददाता ने बताया कि नागरिक सुरक्षा अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न नागरिक सुरक्षा उपायों की परिचालन प्रभावकारिता और समन्वय का आकलन करना है। इससे पहले गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभरे ष्नए और जटिल खतरोंष् के मद्देनजर सभी राज्यों से बुधवार को मॉक ड्रिल करने को कहा था। एमएचए के मुताबिक, मॉक ड्रिल के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन, ष्शत्रुतापूर्ण हमलेष् की स्थिति में खुद को बचाने के लिए सिविल डिफेंस पहलुओं पर नागरिकों को प्रशिक्षण देना और बंकरों और खाइयों की सफाई करना शामिल है। अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड महानिदेशालय के पत्र में कहा गया है, ष्वर्तमान भू–राजनीतिक परिदृश्य में, नए और जटिल खतरेंध् चुनौतियाँ उभरी हैंय इसलिए, यह समझदारी होगी कि राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों में हर समय इष्टतम नागरिक सुरक्षा तैयारियाँ बनाए रखी जाएँ।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव को लेकर सुप्रीम फैसला ईडी को चार हफ्ते में अधिसूचना जारी करने का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य चुनाव आयोग चार महीने में चुनाव संपन्न कराए। पीठ ने राज्य चुनाव आयोग को उचित मामलों में अधिक समय मांगने की स्वतंत्रता प्रदान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हमारी राय में स्थानीय निकायों के समय पर चुनावों के माध्यम से जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के संवैधानिक जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण का विवादास्पद मुद्दा वैसा ही रहेगा जैसा 2022 की बनठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले था। शीर्ष अदालत ने बनठिया आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में ओबीसी पर सटीक आंकड़े तय करने के लिए जनगणना और महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में इस वर्ग के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई थी। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिकाओं के निर्णयों के अधीन होंगे। 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला अध्यादेश लेकर आई थी। इससे पहले दिसंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले नेवी अफसर विनय नरवाल के परिवार से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को 26 वर्षीय नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार से मुलाकात की, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दोपहर में करनाल पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य पार्टी नेता भी थे। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्विपक्ष के नेता राहुल गांधी हरियाणा के करनाल पहुंचे हैं। वह पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल जी के परिवार से मिले। गांधी का यह दौरा अनंतनाग जिले के पहलगाम के पास एक

खूबसूरत घास के मैदान में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हो रहा है। इस हमले में कुल 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। लेफ्टिनेंट नरवाल छुट्टी पर कश्मीर गए थे और हमले के समय अपनी पत्नी के साथ थे। उनकी शादी का रिसेप्शन कुछ दिन पहले ही 16 अप्रैल को हुआ था। पिछले महीने करनाल में उनका अंतिम संस्कार किया गया था, जिसमें उनके पिता राजेश नरवाल और मामा ने सैकड़ों शोकसभाओं के सामने समारोह का नेतृत्व किया था। उनके पिता ने कहा कि परिवार को सरकार पर भरोसा है और उन्हें न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ष्यह क्षति असहनीय और अपूरणीय है।ष् हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी भी शोक सभा में शामिल होने के लिए नरवाल के परिवार से मिलने गईं। उन्होंने कहा, आज का दिन बहुत दुखद है। परिवार ने अपना प्यारा बेटा खो दिया है और मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। 22 अप्रैल को हुआ आतंकी हमला निंदनीय है। पूरा देश इस क्षति पर शोक मना रहा है।ष् इससे पहले मुख्यमंत्री ने नरवाल के परिवार के एक सदस्य को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री की स्थिति से हम दुखी, उन्हें हाईजैक कर लिया गया है

बिहार, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सीएम को हाईजैक कर लिया गया है और नीतीश कुमार की स्थिति से राजद आहत है। तेजस्वी यादव ने पटना में संवाददाताओं से कहा, ष्मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) जिस स्थिति से गुजर रहे हैं, उससे हम दुखी हैं। हम बार–बार मुख्यमंत्री से कहते हैं कि वह अब थक चुके हैं। मुख्यमंत्री यह साबित कर रहे हैं कि बिहार को कोई और चला रहा है, मुख्यमंत्री को हाईजैक कर लिया गया है इससे पहले 16 अप्रैल को, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी थी, जिसमें 200 से अधिक बूथ–स्तरीय एजेंटों ने दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड

इलेक्शन मैनेजमेंट में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इस साल के अंत में होने वाले सुचारू, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव होगा जिसकी निगरानी वे करेंगे। इस बीच, बिहार के 200 बीएलए के अलावा, आने वाले वर्षों में आईआईआईडीईएम में कुल 1 लाख अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। सीईसी ने 26 मार्च को प्रशिक्षण का उद्घाटन किया था और प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया था। सीईसी कुमार ने कहा, भारत का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव है। इस चुनाव को कराने के लिए चुनाव आयोग 10,50,000 बूथ बनाता है।

मुर्शिदाबाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद बोलीं ममता

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा और धार्मिक

कट्टरपंथियों की बात सुनकर लोगों में विभाजन पैदा न करें। मुर्शिदाबाद में सरकारी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दंगाई बाहर से बंगाल में लाए गए हैं, उनके उकसावे में नहीं आएं। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध ा प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद के समसेरगंज, सुती और धुलियान सहित कई हिस्सों में हिंसा भड़कने के बाद मुख्यमंत्री ने पहली बार इस क्षेत्र का दौरा किया। दंगों में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बनर्जी ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया और हिंसा भड़काने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने कहा कि आज, मैंने धुलियान हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और 400 परिवारों से बात की। हम 280 परिवारों को 1.20 लाख रुपये देंगेमुख्यमंत्री के मुर्शिदाबाद दौरे के दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बनर्जी ने कहा था कि जो लोग हिंसा भड़का रहे हैं, वे पश्चिम बंगाल के दुश्मन हैं। बनर्जी ने कहा कि मैं झंटू अली शेख (जिन्होंने उधमपुर के डुडू–बसंतगढ़ इलाके में एक ऑपरेशन के दौरान अपनी जान गंवा दी।

हरियाणा को समय रहते अधिक पानी के इस्तेमाल के बारे में बता दिया गया था : भगवंत मान

हरियाणा, (एजेंसी)। आप शासित पंजाब और भाजपा शासित हरियाणा के बीच चल रही जल–युद्ध की स्थिति तब और गंभीर हो गई जब पंजाब सरकार ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष दावा किया कि हरियाणा ने अपने कोटे से अधिक पानी निकाल लिया है और अब वह पीने की जरूरतों के बहाने सिंचाई के लिए पानी मांग रहा है। आम आदमी पार्टी ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सोमवार (5 मई) को न्यायालय के समक्ष यह दावा किया। इस याचिका में हरियाणा को पानी छोड़ने में पंजाब सरकार द्वारा बाधा डालने के खिलाफ न्यायालय से हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। पत्रकारों से बातचीत में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट किया कि पानी को लेकर कोई विवाद नहीं है, क्योंकि पंजाब पहले ही हरियाणा के प्रति अपने दायित्वों को पूरा कर चुका है। मान ने कहा, ष्पानी को लेकर कोई विवाद नहीं है। कानूनी तौर पर और आंकड़ों के अनुसार, यह पंजाब के पक्ष में है। हमने हरियाणा को एक साल के लिए पानी आवंटित किया हैय उन्होंने 10 महीने में पानी का इस्तेमाल कर लिया और अब वे शेष दो महीनों के लिए और पानी मांग रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि हरियाणा को समय रहते चेता दिया गया था कि वह अधिक पानी का इस्तेमाल कर रहा है और उसे आवंटित पानी का कोटा खत्म हो जाएगा।

मान ने भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड (बीबीएमबी) को 'सफेद हाथी' करार देते हुए इसके पुनर्गठन की भी मांग की। मुख्यमंत्री सोमवार को पंजाब विधानसभा के एक विशेष सत्र के दौरान नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर अपनी सरकार के एक प्रस्ताव पर हो रही चर्चा का जवाब दे रहे थे।पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने हरियाणा को और अधिक पानी देने से इनकार कर दिया है जिसके बाद जल बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस विवाद के उठने के बाद कहना पड़ा कि वह हरियाणा के 'पानी के समुचित बंटवारे के अधिकार' की रक्षा करेगी। यह मुद्दा तब सामने आया जब भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने भाखड़ा बांध से हरियाणा को 8,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का फैसला किया।

संक्षिप्त समाचार

बाबा केदार के दर्शन के लिए उमड़े शिव भक्त, चौथे दिन ही आंकड़ा एक लाख के पार हुआ

जम्मू कश्मीर, (एजेंसी)। एक तरफ जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले ने पर्यटकों के दिल में खौफ पैदा करने की कोशिश की लेकिन उनकी ये कोशिशें कामयाब नहीं हुई है। भले ही घाटी के कुछ जहगों पर पर्यटकों को जाने से रोक दिया गया है लेकिन पर्यटकों के हौंसले नहीं कम हुए हैं। जहां एक तरफ बाबा अमरनाथ के लिए जोरों से रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं वहीं दूसरी तरफ चारधाम यात्रा के लिए भी भक्त पलटनों के साथ पहुंच रहे हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा विशेष रूप से केदारनाथ को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है और केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद से यात्रा के शुरुआती चार दिनों में ही दर्शनार्थियों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंच गया है। रुद्रप्रयाग जिले में 11,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ धाम के कपाट दो मई को खुले थे और सबसे कठिन यात्रा होने के बावजूद पहले ही दिन से केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले दिन ही केदारनाथ में करीब 31,000 श्रद्धालु भगवान शिव के धाम पहुंचे जबकि यात्रा के शुरुआती चार दिनों में यह आंकड़ा बढ़कर एक लाख पांच हजार 879 तक पहुंच गया है। सोमवार को 26,180 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम, सनातन धर्म का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा, '' यहां हर साल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है।

नेहरू और इंदिरा की विदेश नीति के कारण रूस भारत के साथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किए जाने के बाद भारत के रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों की नींव रखने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्रियों पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया है। एएनआई से बात करते हुए श्रीनेत ने कहा कि आज रूस भारत के साथ खड़ा है और यह हर सरकार द्वारा अपनाई गई विदेश नीति का नतीजा है और इसकी नींव पंडित जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। आज भारत के रूस के साथ अच्छे संबंध हैं और यह पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की देन है। श्रीनेत ने क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को भी संबोधित किया, तथा मौजूदा तनाव को राष्ट्रीय सीमाओं से परे एक व्यापक लड़ाई बताया। उन्होंने कहा, ष्यह भारत और पाकिस्तान से ज्यादा मानवता और अमानवीयता के बीच की लड़ाई है। पाकिस्तान भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण देता रहता है। पीएम मोदी को ऐसी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उन्होंने पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन।

संपादकीय

गरीब की दवा

कई बार समाचार सुनने–पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा–खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह–तरह के प्रलोभन व परोक्ष–अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे–बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम–दाम–दंड–भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए ।

असंभव भी संभव होता है सचेतना से

प्रदीप

मन और शरीर, दो ऐसे स्तंभ, जिन पर इंसान का वजूद टिका है। एक खिलाड़ी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए चुने हुए खेल की मांगों के अनुसार अपने शरीर को परिपूर्ण बनाने में पूरा जीवन लगा देता है। मानव मन के असीम विस्तार में, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। कोई व्यक्ति पलक झपकने भर में आल्प्स के ऊपर से उड़ने या हिमालय पर विजय पाने या निराशा की गहराइयों में गिरने की कल्पना कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर शरीर और मन एक सार हो जाएं, तो कोई भी बाधा, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, उससे पार पाया जा सकता है। दुनिया एक ऐसे सांचे की तरह है जिसमें मानव शरीर आकार लेता है और नए–नए विचार ढलते रहते हैं। यदि हम मान लें कि खेल जीवन का एक रूपक है तो हम महसूस करेंगे कि अगरचे मन और शरीर विपरीत उद्देश्यों से काम करेंगे, तो सफलता कभी हासिल नहीं हो सकती। खेल आपके भावनात्मक अनुकूलन की खामियों से निपटने में भी उतना ही कारगर है जितना कि आपके शारीरिक कौशल को परिपूर्ण बनाने में। माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मैं नियमित रूप से एक बौद्ध ध्यान केंद्र जाया करता हूं, हैरानी की बात है कि वहां पर आने वालों में, युवा और बेचौन लोगों की संख्या उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जिनके अंदर उम्र जनित अनुभवों से अवसाद और असहायता बनती है। भविष्य का डर, ध्यान भटकाने वाले अंतहीन कारक और एक ऐसी दुनिया में जीना जिसमें मानवीय संपर्क बहुत कम है लेकिन वे व्यक्तिगत जान–पहचान विहीन सोशल मीडिया मित्र मंडल द्वारा चालित आभासीय दुनिया में विचरते हैं, यह सब उन्हें एक ऐसे रास्ते की तलाश करने के लिए मजबूर कर देता है, जो उन्हें उनके वर्तमान जीवन से नहीं मिलता। स्थिरता एवं पूर्ण–एकाग्रता बनाने का प्रशिक्षण लेने की चाह में वहां आने वाले ऐसे अनेक युवाओं में एक पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी भी था। वह खेल में अपनी कमियों से जूझ रहा था, जिसका संबंध उसके अस्थिर मन और एकाग्रता की कमी से था। उसे मोक्ष की तलाश नहीं थी, बल्कि वह तो अपने मन को नियंत्रित रखने के तरीके खोज रहा था, ताकि गोल्फ कोर्स पर अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर सके। कई सालों बाद मैं गेंदबाजों को बेतरह धुनने वाले और भारतीय क्रिकेट सबसे घातक बल्लेबाजों में से एक से मिला, जो अब खेल से सेवानिवृत्त हो चुका है और अपने जैसे अधिकांश लोगों की तरह अपना वक्त गोल्फ खेलने में बिताता है। कई लोग कहते हैं कि वह इतना अच्छा खेलता है कि गोल्फ का पेशेवर खिलाड़ी बन सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी पेशेवर गोल्फर बनने के बारे में सोचा? जवाब था 'नहीं, मैं अपने गोल्फ का लुत्फ उठाना चाहता हूं। अब और दबाव नहीं झेलना चाहूंगा।' टी–20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी हों और दबाव की बात? सफलता की कीमत चुकानी पड़ती है। आकांक्षी खिलाड़ियों को जितनी जरूरत तकनीकी कोचिंग की पड़ती है, उतनी ही आवश्यकता प्रशिक्षण से उन्हें दिमागी रूप से तैयार करने की भी होती है। इसके लिए ज्यादा सही शब्द होगा– भावनात्मक कोचिंग। हमारी पांच इंद्रियां दुनिया के लिए हमारा प्रवेश द्वार हैं और हर व्यक्ति की अपनी एक अनूठी न्यूरोलॉजी होती है, जिसे मौखिक और गैर–मौखिक भाषा के

जरिए व्यक्त किया जाता है। खिलाड़ियों को जिन भावनात्मक मुद्दों से जूझना पड़ता है, उनसे पार पाने के लिए न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्राम (एनएलपी) नामक एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, उनकी समस्याओं का हल इन संवेदी धारणाओं को अपने शोध के केंद्र में रखकर करती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो शरीर और मांसपेशियों की हरकतों से किसी व्यक्ति में बनने वाले अदृश्य आघात को बूझता है। इस पद्धति का इस्तेमाल करने वालों में से एक हैं मेधावी और जानकारी से परिपूर्ण रुखसार सलीम, जो दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में वंचित बच्चों के लिए के. अरुमुगम द्वारा आयोजित हॉकी कोचिंग कार्यक्रम में मदद कर रही हैं। अरुमुगम को भारत की 1975 विश्व कप जीत पर लिखी गई बेहतरीन हॉकी पुस्तक के लिए बेहतर जाना जाता है। रुखसार पहले बिजनेस जगत की पत्रकार थीं, जिन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बदला है, मानव व्यवहार पैटर्न को समझने के लिए एनएलपी में मास्टर्स कोर्स किया। वह कहती हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में न्यूरो–भाषा विज्ञान की एक अनूठी प्रोग्रामिंग होती है। इस कार्यक्रम के स्थापित तथ्यों में से एक सूक्ति है 'भावनाएं मन (मस्तिष्क) में निवास करती हैं, भावनाएं आपकी मांसपेशियों में मौजूद होती हैं।'

उनके अनुसार, पांच इंद्रियों में से तीन –दृश्य, श्रवण और गतिज– किसी भी जानकारी को प्राप्त करने का पुष्ट और प्रमुख माध्यम हैं। प्रत्येक व्यक्ति के पास बाहरी वातावरण से जानकारी को ग्रहण करने की एक जन्मजात या अर्जित प्राथमिकता होती है (या तो संस्कृति से या अभ्यास के कारण)। 'इसलिए एक अच्छा कोच सबसे पहले इस चीज की शिनाख्त करता है कि जानकारी प्राप्त कैसे हुई और वह खिलाड़ी को उस जानकारी को संसाधन के रूप में उपयोग करने और दबाव में अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करने में, अनुपयोगी जानकारी को दरकिनार करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, विराट कोहली के मामले में, उनके शरीर की हरकतों में सहजता और बल्लेबाजी न करते वक्त भी मैदान में चारों ओर नजर बनाए रखने की क्षमता, उनके अत्यधिक दृश्यशील एवं गतिज होने की ठोस संकेतक हैं।' लेकिन कोई खिलाड़ी ऐसा हो सकता है जो चीखती–चिल्लाती भीड़ को देखकर असहज हो जाए और अत्यधिक दबाव महसूस करे। यह संभावना है कि दंगा–ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों की न्यूरोलॉजी अलग किस्म की बन जाती है, और वे हमेशा बाहर की ओर तकते रहते हैं,।

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रामजीलाल

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 दृ 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति–पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ० अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय–समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों– दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें –भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक– पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ० अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन–विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म–आधारित या धर्म–प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे।

.... विविध ....

अगर डायबिटीज और अस्थमा एक साथ हो जाएं

डायबिटीज और अस्थमा दोनों ही गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली बीमारियां हैं। एक तरफ डायबिटीज में शरीर में ब्लड शुगर का स्तर असामान्य रूप से बढ़ जाता है, वहीं दूसरी तरफ अस्थमा में फेफड़ों की नलियों में सूजन आ जाती है, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है। अगर किसी व्यक्ति को ये दोनों बीमारियां एक साथ हो जाएं, तो परेशानी और भी बढ़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप सही जानकारी और सावधानी के साथ इन दोनों स्थितियों को संभालें।

क्या डायबिटीज और अस्थमा का आपस में कोई संबंध है?

जी हां, डायबिटीज और अस्थमा के बीच सीधा संबंध है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में अस्थमा होने का खतरा बढ़ जाता हैकृअगर उनका वजन सामान्य है। साइंस डायरेक्ट में बताया गया है कि ये दोनों बीमारियां इंफ्लेमेशन (सूजन), मोटापा और लंबे समय तक दवा के सेवन जैसे कारणों से जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि एक बीमारी दूसरी को बढ़ा सकती है।

डायबिटीज और अस्थमा के लक्षण क्या होते हैं?

डायबिटीज के लक्षण

बार–बार प्यास लगना

शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने पर किडनी अधिक पानी खींचने लगती है, जिससे शरीर डीहाइड्रेट हो जाता है। इसी वजह से व्यक्ति को बार–बार प्यास लगती है और वह ज्यादा पानी पीने लगता है।

बार–बार पेशाब आना

जब शरीर में शुगर का स्तर ज्यादा हो जाता है, तो शरीर उसे यूरिन के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसी कारण व्यक्ति को दिन में कई बार पेशाब आता है, यहां तक कि रात में नींद से उठकर भी पेशाब जाना पड़ता है।

बहुत भूख लगना

शरीर में ग्लूकोज तो मौजूद होता है, लेकिन वह ठीक से इस्तेमाल नहीं हो पाता। इसलिए शरीर को एनर्जी नहीं मिलती और व्यक्ति को बार–बार भूख लगने लगती है, चाहे उसने कुछ देर पहले ही खाना खाया हो।

अचानक वजन कम होना और आंखों से धुंधला दिखना

बिना कोशिश के वजन घटता है, क्योंकि शरीर एनर्जी के लिए फैट और मांसपेशियों को तोड़ने लगता है। यह टाइप 1 डायबिटीज में ज्यादा देखा जाता है।हाई ब्लड शुगर से आंखों की नसें सूज सकती हैं, जिससे नजर धुंधली हो जाती है। समय रहते इलाज न हो तो नजर स्थायी रूप से खराब भी हो सकती है।

थकान और कमजोरी

शरीर को ग्लूकोज से एनर्जी नहीं मिल पाती, जिससे व्यक्ति दिनभर थका–थका महसूस करता है और काम में मन नहीं लगता। हाई ब्लड शुगर नसों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हाथों–पैरों में सुन्नपन, जलन या झनझनाहट महसूस हो सकती है। इसे डायबिटिक न्यूरोपैथी कहा जाता है। डायबिटीज में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे स्किन इन्फेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बार–बार हो सकती हैं।

स्थमा के लक्षण

सांस लेने में तकलीफ

अस्थमा में सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं और उनमें सूजन आ जाती है, जिससे व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी होती है। यह समस्या एक्सरसाइज, ठंडी हवा या एलर्जी के कारण बढ़ सकती है। जब फेफड़ों में हवा का प्रवाह होता है, तो छाती में भारीपन, जकड़न या दर्द महसूस हो सकता है। यह लक्षण अस्थमा अटैक का संकेत भी हो सकता है।

बार–बार खांसी आना

सूखी या बलगम वाली खांसी लगातार बनी रह सकती है, विशेषकर रात को या सुबह के समय। अस्थमा के मरीजों में यह एक आम और लगातार रहने वाला लक्षण होता है।

वर्कआउट या दौड़ने के बाद सांस फूलना

शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत होती है, लेकिन अस्थमा में फेफड़े पूरा ऑक्सीजन नहीं दे पाते। इस कारण थोड़ी सी मेहनत के बाद ही व्यक्ति की सांस फूलने लगती है। जब व्यक्ति सांस लेता है तो गले या छाती से सीटी जैसी आवाज आती है, जिसे व्हीजिंग (ॅीमम्रपदह) कहा जाता है। यह संकेत है कि सांस की नलियां सिकुड़ गई हैं।

अगर आपको दोनों बीमारियां एक साथ हैं, तो क्या करें?

1. डॉक्टर से सलाह लें – आपको एंडोक्रिनोलॉजिस्ट (डायबिटीज विशेषज्ञ) और पल्मोनोलॉजिस्ट (अस्थमा विशेषज्ञ) दोनों से नियमित जांच करवानी चाहिए।

शुरुआती इलाज जनरल फिजिशियन से भी शुरू कर सकते हैं, लेकिन स्थिति गंभीर हो तो विशेषज्ञ की राय जरूरी है।

2. रिस्क फैक्टर को पहचानें मोटापा, धूल–धुएं का संपर्क, दवाओं का दुरुपयोग, और खराब जीवनशैलीकृये सभी अस्थमा और डायबिटीज को बढ़ा सकते हैं। वजन नियंत्रित रखें और साफ–सफाई का विशेष ध्यान दें।

3. लक्षणों पर नजर रखेंरू रोजाना ब्लड शुगर चेक करें और अस्थमा के लक्षण जैसे खांसी या सांस फूलना नोट करें। कोई नया या बढ़ा हुआ लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

4. जीवनशैली में सुधार करेंरू रोजाना हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करें जैसे– टहलना, योग आदि। स्मोकिंग और शराब पूरी तरह से बंद करें। ऐसे खाद्य पदार्थ खाएं जो दोनों बीमारियों के लिए फायदेमंद हों, जैसे– हरी सब्जियां, फल, ओट्स, दालें आदि। धूल, धुआं, पालतू जानवर के बाल और अन्य ट्रिगरिंग चीजों से दूर रहें जो अस्थमा को बढ़ा सकते हैं।

अगर आपको डायबिटीज और अस्थमा दोनों हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। इन बीमारियों को सही जानकारी, डॉक्टर की सलाह और एक हेल्दी लाइफस्टाइल के जरिए काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। जरूरी है कि आप नियमित रूप से अपनी सेहत की निगरानी करें और जरूरी बदलाव अपनाएं।

चेहरे पर आते बालों की ग्रोथ होगी कम, ट्राई करें ये असरदार घरेलू टिप्स

चेहरे पर अनचाहे बालों का आना महिलाओं के लिए चिंता और शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। यह न सिर्फ सौंदर्य को प्रभावित करता है बल्कि आत्मविश्वास भी कम कर सकता है। खासतौर पर होंठों के ऊपर, ठुड्डी, गाल और माथे पर जब बाल ज्यादा दिखते हैं तो उन्हें बार–बार हटाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि बाजार में इससे छुटकारा पाने के लिए कई उत्पाद और ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन अगर आप प्राकृतिक और सुरक्षित उपायों की तलाश में हैं, तो कुछ घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

चेहरे पर बाल आने के कारण

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि चेहरे पर फेशियल हेयर क्यों आते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं–

हार्मोनल असंतुलन

महिलाओं के शरीर में सामान्य रूप से एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन ज्यादा होते हैं, लेकिन जब टेस्टोस्टेरोन (जो कि पुरुष हार्मोन होता है) का स्तर बढ़ने लगता है, तो वह शरीर पर पुरुषों जैसे लक्षण उत्पन्न करने लगता है। इससे आवाज भारी होना, पीरियड्स में अनियमितता और चेहरे पर बाल आना शामिल हो सकता है। यह स्थिति हिर्सूटिज्म (भ्पतेनजपेउ) कहलाती है, जिसमें महिला के चेहरे, सीने, पीठ और पेट जैसे हिस्सों पर मोटे और काले बाल आने लगते हैं। यह हार्मोनल बदलाव थायरॉइड की गड़बड़ी, स्ट्रेस, या कुछ दवाइयों के कारण भी हो सकता है।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

च्ब्व्ै एक आम स्त्री रोग है जो आजकल बहुत सी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में ओवरीज में छोटे–छोटे सिस्ट बन जाते हैं और शरीर में एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है। यही हार्मोन फेशियल हेयर ग्रोथ को ट्रिगर करते हैं। पीसीओएस की वजह से महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, मुंहासे, वजन बढ़ना, और बाल झड़ने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह भविष्य में बांझपन का कारण भी बन सकता है। इस कारण से चेहरे पर बार–बार बाल हटवाने के बावजूद उनका उगना जारी रहता है।

अनुवांशिक कारण

कई बार चेहरे पर अनचाहे बालों का आना किसी बीमारी या हार्मोनल बदलाव के कारण नहीं बल्कि परिवारिक प्रवृत्ति की वजह से होता है। अगर आपकी मां, बहन या नानी–दादी को चेहरे पर ज्यादा बाल आते थे, तो यह संभावना है कि आपको भी यही समस्या हो सकती है। यह एक जेनेटिक विशेषता होती है जिसे पूरी तरह खत्म करना मुश्किल होता है, लेकिन घरेलू उपायों और मेडिकल ट्रीटमेंट की मदद से इसकी तीव्रता को जरूर कम किया जा सकता है।

दवाइयों का असर

कुछ विशेष दवाइयां, जैसे कि स्टेरॉइड्स, कुछ हार्मोनल पिल्स या थायरॉइड की दवाएं, शरीर में हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। इससे चेहरे पर बाल बढ़ सकते हैं। लंबे समय तक ऐसी दवाओं का सेवन करने से शरीर के हार्मोन असंतुलित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप हिर्सूटिज्म जैसी स्थिति विकसित हो सकती है। यदि किसी महिला को किसी बीमारी के लिए लम्बे समय तक ऐसी दवाइयां लेनी पड़ रही हों, तो डॉक्टर से सलाह लेकर उनके विकल्प तलाशना जरूरी हो सकता है।

चेहरे के बालों की ग्रोथ रोकने के घरेलू उपाय

इन सभी कारणों के बावजूद, कुछ प्राकृतिक उपाय अपनाकर फेशियल हेयर ग्रोथ को कम किया जा सकता है। जैसे दृ हल्दी और बेसन का पेस्ट, नींबू–शहद की मालिश, पपीते का फेसपैक, ओट्स स्क्रब आदि। ये उपाय बालों की जड़ों को कमजोर करने और त्वचा को साफ, नर्म और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि घरेलू उपायों का असर धीरे–धीरे दिखता है, इसलिए इन्हें लगातार और धैर्य के साथ अपनाना जरूरी होता है।

हल्दी और बेसन का पैक

2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच हल्दी और थोड़ा सा दूध या गुलाब जल मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें।

सड़क पर खड़ी बाइक के विवाद में पूर्व सांसद पर हुआ हमला, एक्शन मोड में आई पुलिस 13 को भेजा जेल

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड पर रविवार को मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हुए जानलेवा हमले का कारण एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी ने सड़क पर बाइक खड़ा करने के विवाद हो बताया है। मंगलवार को एएसपी ने वीडियो बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। साथ ही पुलिस ने हमले में शामिल 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य की तलाश में दबिश शुरू की है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के मटेही कला गांव निवासी राम सरोज पाठक के यहां जनेऊ संस्कार था। जिसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड भी शामिल होने गए थे। जहां विवाद हुआ था। जिसके संबंध में राम सरोज पाठक की तहरीर पर आठ नामजद व 30 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है और सीओ मिहींपुरवा हर्षिता तिवारी विवेचना कर रही हैं। विवेचना के दौरान पूर्व सांसद पर हमले का मूल कारण रास्ते में खड़ी बाइक को हटाने के दौरान हुई कहासुनी सामने आई है। इस प्रकरण में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। शेष की तलाश में दबिश दी जा रही है। पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड पर हुए हमले के बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म है। ग्रामीणों में सीमा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मदरसों व सरकारी जमीन पर हुए कब्जे पर हो रही बुलडोजर कार्रवाई के आक्रोश में सांसद पर हमला करने की चर्चा थी, लेकिन विवेचना में सामने आए तथ्य में बाइक खड़ा करने का विवाद सामने आया। इसी के बाद पहले के तथ्य व चर्चाओं पर विराम लग गया है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र के मटेही कला निवासी राम सरोज पाठक के यहां रविवार को जनेऊ संस्कार कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड पहुंचे थे। इस दौरान गांव निवासी शाहिद अली, नियाज, शाहिद अली द्वितीय, नैप्यारे, सन्नो बेगम, आसमा, सबीना, बाबू उर्फ सगीर व अज्ञात 30 से अधिक लोग लाठी–डंडा व धारदार हथियार के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे और सांसद पर जानलेवा हमले का प्रयास किया था। सुरक्षा गार्डों व कार्यकर्ताओं ने सांसद को बचाया, लेकिन इस दौरान कार्यकर्ता व सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। सभी ने सांसद को एक कमरे में बंद कर दिया। राम सरोज ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने दरवाजा तोड़ने का भी प्रयास किया था। लेकिन ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा होने पर जान से मारने की धमकी देते हुए हथियार लहराते हुए चले गए थे।

अजय राय के बयान से कांग्रेस की दूषित मानसिकता उजागर भूपेंद्र चौधरी बोले– सेना का किया अपमान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन पर भारतीय सेना का अपमान करने का आरोप लगाया है। कहा, इस बयान से कांग्रेस की दूषित मानसिकता देश के सामने उजागर हुई है। चौधरी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि कांग्रेस के नेता अपने बयानों से भारतीय सेना का मनोबल गिराना चाहते हैं। कांग्रेस का इतिहास देश विरोधी बयानों से भरा है। आज कांग्रेस व सपा सहित इंडी गठबंधन के नेताओं के बयान पाकिस्तान में खूब पसंद किए जा रहे हैं। देश की जनता राष्ट्र विरोधी ताकतों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी और देश की जनता राष्ट्र विरोधी राजनीतिक दलों का सफाया करेगी।

अखिलेश ने सनातन संस्कृति का अपमान किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सनातन संस्कृति का लगातार अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रत्येक सनातनी गाय को मां के समान सम्मान देता है। अखिलेश स्वयं को भगवान गोविंद का वंशज कहना बंद करें। उनका गोबर पर टिप्पणी करना हमारी संस्कृति का अपमान है। यह उनकी संकीर्ण सोच को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

दो महीने पहले डोली में किया विदा... अब अर्थी में बेटी को देख चीख उठा पिता

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में सोमवार देर रात एक नवविवाहिता का शव फंदे से लटकता मिला। घरवालों ने देखा तो उनके होश उड़ गए। खबर पाकर पहुंचे मायकेवालों ने ससुरालीजन पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके साक्ष्य संकलित किए। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना महोली कोतवाली क्षेत्र के नौगवा गांव की है। गांव निवासी श्रवण कुमार के बेटे नीलेश श्रवण कुमार की शादी 21 फरवरी 2025 लखीमपुर जिले के मितौली थाना क्षेत्र के मगही गांव निवासी सालिकराम की बेटी आरती (26) के साथ हुई थी। सोमवार देर रात आरती का शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंचे मायकेवालों ने बेटी की हत्या किए जाने की बात कही। मौके पर पहुंचे पिता सालिकराम ने बताया कि बेटी की शादी में हमने मुंह मांगा दहेज दिया था। इसके बाद भी ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे। वह कार की मांग कर रहे थे। हम बाइक दे पाए थे। इस वजह से वह लोग बेटी को प्रताड़ित करने लगे। अब ससुरालीजनों ने बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटका दिया। सालिकराम ने बताया कि नौगवा गांव के एक व्यक्ति ने फोन करके उन्हें घटना का सूचना दी। इसके बाद हम लोग पहुंचे। उन्होंने थाने पहुंचकर ससुर श्रवण कुमार, पति नीलेश वर्मा, एवं सास के विरुद्ध तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया सूचना पर एएसपी डॉक्टर प्रवीन रंजन, सीओ विशाल गुप्ता एवं नायब तहसीलदार शिव प्रकाश यादव ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इंस्पेक्टर दिलीप कुमार चौबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पिता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत करके आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संगीत नाटक अकादमी तानसेन के गुरु के नाम पर देगी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

लखनऊ, (संवाददाता)। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित तानसेन पुरस्कार की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी भी प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार देगी। यह पुरस्कार संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास के नाम से दिया जाएगा। पुरस्कार की प्रस्तावित राशि दो लाख रुपये है। वहीं, स्वामी हरिदास स्मृति समारोह के आयोजन के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति भी मिल गई है। इस समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर के अति विशिष्ट शास्त्रीय संगीत के कलाकारों (गायन, वादन एवं नृत्य) को आमंत्रित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत ने बताया कि इस स्मृति समारोह का आयोजन इसी वर्ष किया जाएगा। वृंदावन, मथुरा, आगरा आदि जनपदों में कार्यक्रमों की शृंखला का आयोजन होगा। सोमवार को गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में आयोजित वार्ता में उन्होंने पत्रकारों को बताया कि पद्मविभूषण विदुषी गिरिजा देवी की स्मृति में पुष्पांजलि कार्यक्रमों की शृंखला का आयोजन भी जल्द किया जाएगा। उनकी जन्मतिथि 08 मई से लेकर पुण्यतिथि 24 अक्तूबर तक ये आयोजन होंगे। इस दौरान उनके साथ अकादमी की उपाध्यक्ष विभा सिंह और निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर भी मौजूद रहे।

प्रदेश के कई जिलों से विक्षोभ का असर हुआ कम, अगले पांच दिनों में बढ़ेगा पारा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों से तेज हवाओं और बूंदाबांदी के दौर के बाद, पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ना शुरू हो गया है।अब बदले हुए मौसम का असर पूर्वी, तराई और पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों और बुंदेलखंड तक सिमट कर रह गया है। बुधवार के लिए प्रदेश के ऐसे 39 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार के बाद उत्तर प्रदेश के बाकी हिस्सों में बादलों की आवाजाही का दौर खत्म होगा और पारा चढ़ने के साथ गर्मी फिर से सिर उठाएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और वेदर सिस्टम का असर कमजोर पड़ना शुरू हो गया है। तराई, बुंदेलखंड और कुछ पश्चिमी जिलों को छोड़कर बाकी हिस्से में बुधवार से तापमान का चढ़ना शुरू होगा। अगले 5 से 6 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की उछाल आने की संभावना है।

कुछ जिलों में बादल तो कहीं होगी धूप

मौसम विभाग ने मंगलवार से बुधवार के बीच पश्चिमी तराई जिलों सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, बागपत के साथ ही दिल्ली एनसीआर के कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जारी किया है। हवाओं की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर तक जा सकती है।

राजधानी लखनऊ में भी मौसम में करवट लेना शुरू कर दिया है। मंगलवार को राजधानी में छिटपुट बदल तो रहे, लेकिन दोपहर बाद तेज धूप खिलने से उमस और तपिश भी महसूस की गई। प्रदेश के बाकी हिस्सों की तरह लखनऊ में भी अब पारे में बढ़त देखने को मिलेगी। बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में ।

युवाओं में स्किल बढ़ाएंगे, पाक को देंगे मुंहतोड़ जवाब बढ़ेंगे नौकरी के अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि हमारे सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। पीएम मोदी का संकल्प हमारे साथ रहता है। युवा कैसे स्किल हो, उसके हाथ में हुनर हो। देश, प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करना है। कौशल विकास के बिना यह लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता है। बिना युवाओं के स्किल, हुनर के संभव नहीं है। उनको रोजगार करने के साथ, भारत ऐसे मुकाम कर खड़ा है। 28 पर्यटकों को मौत के घाट उतारा है। युवाओं के माध्यम से उनको भी, पाक को मुंहतोड़ जवाब देना है।

यह दोनों चुनौती स्वीकार करते हैं। ऐसी नापाक हरकत, हिन्दू मुस्लिम नहीं होने देंगे। पीएम, गृह, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि नापाक हरकत का जवाब देंगे। युवाओं को रोजगार देना, प्रशिक्षित करना है। देश के लिए तैयार करना है। कोई आंख दिखाता है तो उसको जवाब देने की जिम्मेदारी भी हमारी है। उन्होंने कहा कि जिस सेक्टर में भी जाएं। तैयारी तो सभी सफल नहीं होते हैं। किसी कारण से सफल नहीं। इसीलिए पीएम ने कहा है कि एक क्षेत्र में स्किल भी होना जरूरी है। छोटे से ही कोई बड़ा बनता है। व्यावसायिक शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग की ओर से मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उद्यमिता विकास की ओर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे चाचा–भतीजे की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में सोमवार की रात लखनऊ की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवकों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। दोनों युवक रिश्ते में चाचा–भतीजा थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली। हादसा लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर पटरंगा के रानीमऊ चौराहा के पास हुआ। यहां देर रात मां संतोषी मंदिर के सामने हाईवे पर दो युवक लखनऊ की ओर जा रहे थे। पीछे से एक तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्टर मार कर दी। इसके बाद आरोपी चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास चौराहे पर मौजूद लोग भागकर पहुंचे। उन्होंने युवकों को सड़क के किनारे किया। बाइक को हाईवे से हटाकर किनारे किया। साथ ही इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मवई भेजा। यहां प्राथमिक उपचार के दौरान ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रौनाही के बुलालपुर निवासी अनिल निषाद (28) और आकाश निषाद (32) के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों बाइक सवार रामसनेही घाट नगर पंचायत के ताला गांव एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हाईवे चौकी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के पॉलीटेक्निक कॉलेजों में 50 प्रतिशत सीटें रह जा रही हैं खाली

लखनऊ, (संवाददाता)। तकनीकी शिक्षा संस्थानों की चमक फीकी पड़ती जा रही है। पॉलीटेक्निक कॉलेजों में हर साल आधी से ज्यादा सीटें खाली रह जाती हैं। 2023 में 3 लाख सीटों के मुकाबले सिर्फ 89 हजार दाखिले हुए, जबकि 2024 में भी 1.15 लाख से ज्यादा ही दाखिले हो सके। तीन साल की इंजीनियरिंग पढ़ाई के बाद भी युवाओं को न तो सरकारी नौकरी की उपलब्धता है और न ही प्राइवेट कंपनियों में संतोषजनक वेतन।

राजकीय पॉलीटेक्निक में भी स्थिति अलग नहीं, जहां हर साल 1200 से ज्यादा छात्र पढ़ाई पूरी करते हैं, पर मुश्किल से 400–450 को ही रोजगार मिलता है। यही नहीं, कई युवा नौकरी छोड़ देते हैं क्योंकि योग्यता के अनुसार वेतन नहीं मिलता। हालात को सुधारने के लिए प्राविधिक शिक्षा परिषद के संयुक्त निदेशक विजय पाल सिंह बताया कि पॉलीटेक्निक पाठ्यक्रमों को रोजगार परक बनाने की कवायद तेज की जा रही है। तकनीकी, व्यावहारिक और कौशल शिक्षा पर फोकस करते हुए पाठ्यक्रमों में बदलाव लाए जा रहे हैं। हालात को सुधारने के लिए प्राविधिक शिक्षा परिषद के संयुक्त निदेशक विजय पाल सिंह बताया कि पॉलीटेक्निक पाठ्यक्रमों को रोजगार परक बनाने की कवायद तेज की जा रही है। तकनीकी, व्यावहारिक और कौशल शिक्षा पर फोकस करते हुए पाठ्यक्रमों में बदलाव लाए जा रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद बन रहे युद्ध के संभावित हालातों के बीच प्रदेश में भी मॉक ड्रिल की तैयारी

लखनऊ, (संवाददाता)। गृह मंत्रालय के युद्ध से बचाव को लेकर दिए गए दिशा–निर्देश के बाद यूपी में भी तैयारी शुरू कर दी गई है। सोमवार को नागरिक सुरक्षा विभाग ने पुलिस अधिकारियों के साथ इसकी कार्ययोजना तैयार की, जिसे जल्द अमल में लाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले वर्ष 1971 में भारत–पाक के बीच हुए युद्ध के दौरान मॉक ड्रिल हुई थी। इसी कड़ी में मंगलवार को लखनऊ के पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। इस दौरान जवानों ने किसी भी प्रकार के हमले और अराजक स्थिति से निपटने का अभ्यास किया। साथ ही इस स्थिति में आमजन की सुरक्षा का ध्यान किस तरह रखा जाएगा, इसका भी अभ्यास किया। इस मॉक ड्रिल में करीब 54 वर्ष बाद लोगों को हवाई हमलों आदि से बचाव के तरीकों के बारे में बताया जाएगा। पब्लिक एड्रेस सिस्टम की मदद से ब्लैक आउट की जानकारी दी जाएगी। साथ ही अस्पतालों को अलर्ट पर रखने के बंदोबस्त किए जाएंगे। डीजी नागरिक सुरक्षा अभय कुमार प्रसाद ने गृह मंत्रालय से दिशा निर्देश मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि इस बाबत सभी जरूरी प्रबंध किए जा रहे हैं। प्रदेश के बड़े शहरों से इसकी जल्द शुरुआत की जाएगी। उत्तर प्रदेश के क्ळच प्रशांत कुमार ने कहा, ष्7 मई को सिविल डिफेंस के मॉक ड्रिल के संबंध में भारत सरकार से निर्देश प्राप्त हुए हैं। (यूपी में) 19 जिलों की पहचान की गई है, । उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि 7 मई को सिविल डिफेंस के मॉक ड्रिल के संबंध में भारत सरकार से निर्देश प्राप्त हुए हैं। (यूपी में) 19 जिलों की पहचान की गई है, जिसमें एक जिला ए श्रेणी में है, 2 जिले सी श्रेणी में हैं और बाकी बी श्रेणी में हैं। यहां की संवेदनशीलता को मद्देनजर रखते हुए शासन द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि सभी जिलों में सिविल प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अग्निशमन सेवा, आपदा प्रतिक्रिया बल के साथ मिलकर यहमॉक ड्रिल की जाए ताकि आकस्मिकता की स्थिति में हम इन चीजों से निपट सकें।

नेपाल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सशक्त बनाने पर मंथन

लखनऊ, (संवाददाता)। नेपाल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को सशक्त बनाया जाएगा। सोमवार को नेपाल से आए

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पीएचडी हाउस में पीएचडीसीसीआई, यूपी चौप्टर के साथ संवाद सत्र हुआ। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करना और कृषि, आतिथ्य, हर्बल तथा लकड़ी–आधारित उद्योगों में सीमा पार निवेश के अवसरों को तलाशना था। प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल में विदेश निवेश की अपार संभावनाओं पर मंथन किया। उन्होंने भारतीय उद्यमियों को संयुक्त उद्यमों और व्यापार साझेदारियों की खोज के लिए आमंत्रित किया और नेपाल सरकार की पूर्ण सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेपाल के भूमि प्रबंधन, कृषि एवं सहकारिता मंत्री बीर बहादुर थापा ने किया। उनके साथ प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं संसदीय दल के नेता घनश्याम चौधरी, प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं पूर्व मंत्री नरेश शाही और प्रांतीय विधानसभा सदस्य एवं पूर्व मंत्री झपट सौद और नेपाल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के उप सचिव सकेता राजा मुसिनिपल्ली भी थे। क्षेत्रीय आर्थिक विकास में संवाद की भूमिका पर दिया गया जोर पीएचडीसीसीआई के सदस्यों में जेएसवी मोटर्स के जतिन वर्मा, समर्थवान एग्रोकेम भी थे।

लखनऊ में घर का सपना होगा साकार, एलडीए की इस योजना में ले सकते हैं सस्ता फ्लैट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में जो लोग महंगा होने के कारण एलडीए की अनंत नगर योजना में प्लॉट नहीं बुक करा पाए हैं, वो अब एलडीए की विश्राम नगर योजना में फ्लैट के लिए आवेदन कर सकते हैं। यहां पर छह लाख से 25 लाख रुपये कीमत तक के 2502 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। एलडीए अगले महीने इसके लिए पंजीकरण खोलेगा। अभी इस योजना के लिए रेरा में पंजीकरण कराया जा रहा है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि देवपुर पारा के कबीर नगर में पूर्व में 608 निम्न मध्य आय वर्ग (एसएमआईजी) व 912 मध्य आय वर्ग (एमआईजी) भवन निर्मित किये गये हैं। यहां बड़ी संख्या में लोग रह भी रहे हैं। इस योजना को अब विश्राम नगर का नाम दिया गया है। यहां नए बहुमंजिला आवासीय भवन निर्मित किए जा रहे हैं। इन भवनों में 1832 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), 214 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) व 456 मध्य आय वर्ग (एमआईजी) श्रेणी के फ्लैट होंगे। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। लगभग 32 वर्गमीटर से 55 वर्गमीटर क्षेत्रफल के यह भवन कम आय वालों के बजट में होंगे। यहां बच्चों के लिए पार्क व वयस्कों के लिए ओपन जिम आदि की सुविधाएं भी होंगी।

भवनों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया ताकि रहने वाले लोगों को किसी भी तरह की कोई असुविधा न हो। उपाध्यक्ष ने बताया कि योजना को आम लोगों के लिए जल्द से जल्द खोलने के उद्देश्य से सोमवार को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। इसमें जून से भवनों का पंजीकरण खोलने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए मई के अंत तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होंगे उपलब्ध

एलडीए के अधिशासी अभियंता संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि योजना में निम्न मध्य आय वर्ग (एसएमआईजी) व मध्य आय वर्ग (एमआईजी) के कुल 1520 फ्लैट

पहले ही बन चुके हैं। इन्हें पहले आओ–पहले पाओ योजना के तहत आवंटित किया जा रहा है। इच्छुक लोग एलडीए की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बुक करा सकते हैं। एसएमआईजी का क्षेत्रफल लगभग 1032 वर्ग फुट और कीमत लगभग 33 लाख रुपये है। एमआईजी का क्षेत्रफल 977 वर्गफुट व कीमत 31 लाख रुपये है।

बसंतकुंज योजना के सेक्टर–ए के 272 प्लॉटों का निरस्त किया गया आवंटन बहाल होगा। आवंटियों को रजिस्ट्री कर भूखंडों का कब्जा दिया जाएगा। यह आश्वासन सोमवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब ने आवंटियों को दिया। एलडीए की ओर से दो सप्ताह पहले बसंतकुंज योजना सेक्टर– ए के 272 प्लॉटों का आवंटन निरस्त किए जाने के बाद प्रभावित आवंटी आंदोलन की तैयारी में जुटे हैं। एलडीए की कार्रवाई के खिलाफ न्यायालय भी जाने की तैयारी है। रविवार को आवंटियों ने आवंटीजन कल्याण समिति के बैनर तले बैठक भी की थी। सोमवार को आवंटियों ने मंडलायुक्त से मुलाकात कर उन्हें अपनी परेशानी बताई। सवाल भी उठाया कि आखिर क्यों एलडीए की ओर से मध्यम वर्गीय परिवार के साथ धोखा किया जा रहा है। जो प्लॉट लॉटरी के माध्यम से दो साल पहले आवंटित हुए और लगभग सभी ने पैसा भी जमा कर दिया, उसके बाद भी आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। एलडीए का तर्क है कि जमीन पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है, ऐसे में आवंटन निरस्त किया गया। एलडीए के रुख से लगता है कि वह जमीन लेने के लिए किसानों पर दबाव बनाने के बजाय आवंटियों से लड़ रहा है। आवंटियों ने कहा कि वह एक आशियाना की उम्मीद में जीवन की जमा पूंजी खपा कर बैंक के कर्जदार बन गए हैं, लेकिन एलडीए के अधिकारी उनकी स्थिति पर गौर नहीं कर रहे। कहा कि अब वह (आवंटी) संगठित हैं और इस मुद्दे पर आर–पार की लड़ाई के लिए तैयार हैंश्र चाहे यह लड़ाई सड़क पर लड़नी हो या न्यायालय में।

पुनर्विचार की आड़ में लटकाया जा रहा लामला

आवंटियों ने मंडलायुक्त से कहा कि पहले तो एलडीए गुपचुप आवंटन निरस्त कर दिए और जब इस कार्रवाई पर सवाल उठे तो आदेश को स्थगित कर पुनर्विचार की बात की जा रही है। सच यह है कि एलडीए इसकी आड़ में रजिस्ट्री और भौतिक कब्जा दिए जाने की कार्रवाई लटका रहा है, ताकि आवंटी मुद्दे से भटक जाए।

मंडलायुक्त ने दिया भरोसा

मंडलायुक्त रोशन जैकब ने आवंटियों को भरोसा दिया है कि सभी को उनके प्लॉट मिलेंगे। उनकी एलडीए वीसी से बात हुई है। एलडीए को जमीन अधिग्रहण के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा और सभी को प्लॉट की रजिस्ट्री करा कर उस पर कब्जा दिया जाएगा।

मानवता शर्मसार : जानवरों के लिए घास लेने निकली नाबालिग के साथ रेप

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मंगलवार को थाना पिहानी के एक गांव निवासी 11वर्षीय किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया। पीड़िता किशोरी की शिकायत पर परिजनों ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार किशोरी

जानवरों की घास लेने के लिए खेतों में गई थी। तभी पड़ोस में रहने वाला युवक पहुंचा और किशोरी को अकेला पाकर जबरदस्ती दुष्कर्म किया।किशोरी किसी तरह आरोपी युवक के चंगुल से निकल कर घर पहुंचकर अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन किशोरी के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी विद्यासागर पाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे दबोच लिया जाएगा। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलने की चाहत में 300 किलोमीटर पैदल दौड़कर लखनऊ पहुचे

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलने जौनपुर जिला के रामपुर ब्लॉक तहसील मड़ियाहू थाना नेवढ़िया अंतर्गत ग्राम पंचायत बेनीपुर के युवा आयुष यादव और पंकज यादव बेनीपुर से पैदल दौड़ते हुए 300 km लखनऊ पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यालय पहुंचकर उनसे मुलाकात किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा ऐसे युवा को देश की सुरक्षा के लिए बॉर्डर पर लगा दिया जाए तो यह बॉर्डर की सुरक्षा के लिए पूरी जान लगा देंगे।सरकार युवाओं की नौकरी पर ध्यान दें जिससे युवा पूरी जोश के साथ देश की सेवा करें।मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि ऐसे प्रतिभावान युवा को कब नौकरी देगी सरकार? अखिलेश यादव ने कहा की यह युवा अपने गांव से पैदल लगातार दौड़ते हुए मुझसे मिले हैं हमें बहुत खुशी है। मै आपको बहुत ही शुभकामनाएं देता हूं और मैं वादा करता हूं कि मेरी सरकार आने पर सभी युवाओं के लिए सरकारी नौकरियां निकाली जाएगी लोग बेरोजगार नहीं रहेंगे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आयुष यादव और हिमांशु उर्फ पंकज यादव को अपने आवास में मुलाकात कर शुभकामनाएं देकर विदा किया। यह प्रतिभावान आयुष यादव इससे पहले चुनार मिर्जापुर और पूरी जौनपुर का भ्रमण पैदल दौड़ते हुए 250 km किये थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) तीसरी बार एकता से किया पूछताछ मिले अहम सुराग

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) पहलगाम हमले की जांच में मॉडल एकता तिवारी के बयानों पर विशेष ध्यान दे रही है। एकता तिवारी ने NIA द्वारा जारी किए गए तीन स्केच में से दो आतंकियों की पहचान की है। जांच के सिलसिले में NIA ने एकता तिवारी से तीन बार संपर्क

किया। 1 मई शाम 6 बजे फोन आया और 4मिनट 57 सेकेंड बात हुई थी।वही पर शनिवार की शाम को पहली बार 5 मिनट की बातचीत हुई। इसके बाद रविवार रात 11 बजे दूसरी बार संपर्क किया गया, जिसमें 10 मिनट 40 सेकेंड तक बात हुई। एकता तिवारी ने कहा कि यह देश का मामला है, इसलिए वह बातचीत के विवरण को सार्वजनिक नहीं कर सकतीं। वहीं जांच एजेंसियों ने भी फिलहाल मीडिया को कोई बयान देने से मना कर दिया है।

पॉली और ग्रीन हाउस में बेमौसम सब्जियों और फूलों की खेती कर सकतें है किसान

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि पाली हाउस एवं ग्रीन हाउस 500 वर्ग0मी0 से 2500 वर्ग0मी0 तक के निर्माण के लिए उद्यान विभाग देगा 50 प्रतिशत तक का अनुदान। सरकार की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना किसानों की आय में बढ़ोतरी करेगी। उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। इस योजना के तहत किसानों को फूल और सब्जियों की उन्नत खेती के लिए तकनीकी सहायता के साथ–साथ अनुदान भी दिया जाएगा। इसका उद्देश्य बागवानी क्षेत्र को प्रोत्साहित कर कृषि आय में वृद्धि करना है। इस योजना के तहत किसानों को पॉली और ग्रीन हाउस निर्माण पर लागत का 50 प्रतिशत तक का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इससे किसान अब बेमौसम सब्जियों और फूलों की खेती कर सकेंगे, जिससे बाजार में उनकी मांग बनी रहेगी और आय में वृद्धि होगी। यह योजना उन किसानों के लिए लाभकारी होगी जो कम क्षेत्रफल में उच्च आय चाहते हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से जिले में उन्नत किस्म के फूलों जैसे गुलाब, जरबेरा के साथ–साथ टमाटर, शिमला मिर्च, खीरा की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर फूलों और सब्जियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। इस योजना का किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं और इससे सम्बन्धित जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस मे जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय मे आधार, खतौनी, फोटो व बैंक पासबुक फोटोकापी के साथ सर्मपक कर सकते है।

खराब सड़कों का जल्द ही होगा निर्माण : नसरीन बानो

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नगर पालिका परिषद, शाहाबाद की बोर्ड बैठक में सड़क निर्माण,नाली निर्माण,प्रकाश,सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं तथा विकास कार्यों के लिए कई प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किए गए।

मंगलबार को नगर पालिका परिषद के सभागार कक्ष में पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया।नगरपालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने बोर्ड बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि अटल अमृत योजना के तहत पाइप लाइन पड़ने से नगर की सड़कों की खुदाई के कारण सड़के काफी खराब स्थित में पहुंच गई है जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।अब इस योजना का कार्य पूरा होने के बाद नगर के सभी मार्गों का बेहतर निर्माण करवाया जाएगा।बैठक में विभिन्न मोहल्लों में खराब पड़े नलों को बोर्ड फंड से रिबोर करवाने का प्रस्ताव भी पास हुआ।पालिका अध्यक्ष ने कहा कि वार्डो की साफ सफाई व्यवस्था का उचित ध्यान रखा जाये इसके लिए वार्ड के सुपरवाइजर सजग रहे और बरसात से पहले नगर के नाले और नालियों की सफाई व्यवस्था समुचित करवाई जाये।अगर सफाई से जुड़ी कोई शिकायत आती है तो सम्बंधित कर्मचारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान वर्ष 2025–2026 की आय व व्यय का बजट पास किया गया।जिसमें पालिका की आय 77 करोड़ 82 लाख रुपये तथा व्यय 77 करोड़ 52 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया।इस प्रकार कुल 30 लाख का लाभ का बजट ध्वनि मत से पास हुआ।बोर्ड बैठक मे बिना आपत्ति वाले मानचित्रों को स्वीकृति दी गई।वहीं।बोर्ड बैठक में बजट विवरण सुनाते हुए प्रभारी अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार द्वारा सभी बिंदुओं का विस्तृत ब्यौरा दिया गया।इस बैठक मे लक्ष्मी कांत त्रिपाठी,अजहर मसूद,अतुल मिश्रा,रिजवान अली उर्फ कल्लू,आदित्य गौतम,रतिराम,आरती मौर्य, शैल कुमारी गुप्ता,सुष्मिता,नैना कुशवाहा,अहिवरन,प्रीति,महनूर जवी,पूनम गुप्ता,इमरान खां, इशराम, फूल मियां आदि सभासद मौजूद रहें।लेखाकार असद खां,राजस्व निरीक्षक अनस खां,वे ई विजय कृष्ण यादव मौजूद रहे।

समस्त वाद सीसीसीएमएस प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन करके काज लिस्ट के अनुसार वादों की सुनवाई करवाना सुनिश्चित करें : आलोक कुमार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में उप संचालक चकबंदी मुख्यालय लखनऊ आलोक कुमार, चकबन्दी अधिकारी उल्फान अली एवं संजय सिंह कनौजिया के द्वारा चकबंदी कार्यों एवं पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। बैठक में जनपद में सर्वे, कब्जा परिवर्तन एवं तरमीम स्तर पर लंबित कार्यों की समीक्षा करते करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जो गांव सर्वेक्षणीम स्तर पर लंबित है, उनमें कठोर परिश्रम करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार से समय कार्य पूर्ण करें, यदि समय से कार्य पूर्ण नहीं होता है तो सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। साथ ही समस्त न्यायालय लिपिक को भी निर्देशित किया गया कि समस्त वाद सीसीसीएमएस प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन करके काज लिस्ट के अनुसार वादों की सुनवाई करवाना सुनिश्चित करें । जिलाधिकारी ने चकबंदी अधिकारीगणों को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि मा0 उच्च न्यायालय से आच्छादित वादो एवं 05 वर्ष से अधिक लम्बित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें, जिससे शासन की मंशानुसार कार्य पूर्ण किया जा सके। जिलाधिकारी द्वारा लेखपालों को निर्देशित किया कि चकबन्दी कार्य में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही है तो अवगत कराये जिसका त्वरित गति से निस्तारण किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी, डीडीसी अजय अम्बष्ट, एसओसी अशोक कुमार, पवन कुमार सिंधु एवं समस्त चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी, चकबंदीकर्ता और चकबंदी लेखपाल उपस्थित रहे।

सीएमओ ने जन आरोग्य मेले का किया औचक निरीक्षण

कुशीनगर, (संवाददाता)। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अनुपम प्रकाश भास्कर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगने वाले मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में उन्होंने अपराह्न लगभग 12 बजकर 30 मिनट पर सीएचसी हाटा के अर्न्तगत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहिरौली बाजार पहुँच कर उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया जहां चिकित्सक डॉ विनय शाही अनुपस्थिति पाये गये तथा ओपीडी कमरा बन्द मिला। ओपीडी रजिस्टर माँगने पर बताया गया कि वे अपने पास रखते है। जिस पर सीएमओ द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका एक दिन का वेतन बाधित करते हुए शो काज नोटिस जारी किया गया। पर्ची काउंटर से पता चला कि केवल 12 मरीज ही आये थे। जिस पर सीएमओ द्वारा वहाँ उपस्थित फार्मासिस्ट एवं अन्य स्टाफ को निर्देशित किया कि क्षेत्र में आशाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कराकर जन आरोग्य मेले में मरीजों की संख्या बढ़ाये। सीएमओ द्वारा प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया जहाँ मात्र दो व्यक्तियों के सुगर की जाँच मिली। उसे भी बढ़ाने तथा बलगम की जाँच को भी बढ़ाने के लिये एलटी एवं एल ए को निर्देशित किया। फिर वहाँ से सीएचसी रामकोला के अंर्तगत पीएचसी टेकुआटार पर लगभग 1 बजकर 5 मिनट पर पहुँचे जहां चिकित्सक डॉ रजनीश श्रीवास्तव द्वारा ओपीडी कक्ष में मरीज देखते हुए मिले उनके द्वारा सुबह से 25 मरीजों को उपचारित किया गया था। सीएमओ द्वारा प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया। वहाँ उपस्थित एलटी दीपमाला से जाँच के बारे में पूछताछ किया। उनके द्वारा 4 जाँच किया पाया गया। जिसे और बढ़ाने के लिये निर्देशित किया गया और बलगम की जाँच को भी बढ़ाने के लिये कहा गया। एसटीएलएस निशांत मिश्र, खुर्शीद आलम सहित सभी स्टाफ उपस्थित मिले। वहाँ से सीएचसी मोतीचक के अंर्तगत नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरैनी पर लगभग 1 बजकर 40 मिनट पर निरीक्षण हेतु सीएमओ पहुँचे जहां चिकित्सक डॉ धर्मेन्द्र कुमार अमन सहित सभी स्टाफ उपस्थित मिले। चिकित्सक द्वारा 25 मरीजों को उपचारित किया जा चुका था। सीएमओ द्वारा प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया। जहाँ एलटी ने बताया कि 3 जाँच हुआ है। जिस पर सीएमओ द्वारा डॉ को निर्देशित किया गया जो भी ओल्ड एज के व्यक्ति आ रहे उन सभी के सुगर की जाँच अवश्य कराये। प्रयोगशाला कक्ष में बेसिन एवं अन्य सुविधाएं न मिलने पर चिकित्सक को निर्देशित किया कि तत्काल इसे पूर्ण करें। सीएमओ डॉ एपी भास्कर ने कहा कि रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का निरीक्षण किया गया। जहाँ एक चिकित्सक अनुपस्थिति मिले। उनका एक दिन का वेतन बाधित किया गया है। मेले में मरीजों की संख्या बढ़ाने के लिये सम्बंधित को निर्देशित किया गया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में आशाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार करा कर मेले में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सक एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी समय से करें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी।

पुलिसिया मुठभेड़ में दो पशु तस्करों के पैर में लगी गोली, दोनो घायल सहित 3 पशु तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर,, (संवाददाता)। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र में हुए पुलिसिया मुठभेड़ में एक 25 हजार रुपये का ईनामी सहित दो पशु तस्कर पुलिस की गोली से घायल हो गए। पुलिस टीम ने घायल दो पशु तस्कर के साथ एक अन्य साथी सहित कुल तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार कर मौके से 03 अदद अवैध तमन्चा 315 बोर मय कारतूस, एक कार वाहन बरामद किया है। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक गोरखपुर रेंज के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर रितेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 4 मई 2025 को पटहेरवा थाना क्षेत्र में कुछ पशु तस्करों के होने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। जिसमें थाना पटहेरवा, थाना तमकुहीराज तथा स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना पटहेरवा क्षेत्र के रजवटिया पोखरा एन0एच0–28 के समीप घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक कार आते हुए दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन पर सवार व्यक्तियों द्वारा लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी। जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गये। जिनकी पहचान प्रदीप भारती पुत्र रमेश भारती निवासी पगरा बसन्तपुर थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर व अरशद खान पुत्र अफजल उर्फ मदारी निवासी मोहम्मदपुर कठार थाना खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर के रुप में हुई तथा उसके एक अन्य साथी रितेश शर्मा पुत्र योगेन्द्र शर्मा निवासी बहादुरपुर थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर को भी मौके से गिरफ्तार किया गया।

स्वस्थ जीवन का आधार प्राकृतिक खेती

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत जनपद की चयनित कृषि सखियों (सीआरपी) का पांच दिवसीय (दिनांक 5 मई से 9 मई 2025 तक) प्राकृतिक खेती तकनीक विषयक प्रशिक्षण का आयोजन सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा में शुभारंभ हुआ। अध्यक्षता करते हुए उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कृषि सखिया सीआरपी द्वारा जिले के किसानों को प्राकृतिक विधि से खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 10 ब्लाको में 55 क्लस्टर बनाए गए हैं, प्रत्येक क्लस्टर 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल का है, हर क्लस्टर में कम से कम 125 किसान शामिल किए गए हैं। प्राकृतिक खेती वर्ष 2025–26 से गोमती नदी के किनारे वाले 55 ग्राम पंचायत में 2750 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 6875 किसान प्राकृतिक खेती से कम लागत में गुणवत्ता युक्त अधिक उत्पादन कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. सुरेश कुमार कनौजिया ने प्राकृतिक खेती की अवधारणा एवं सिद्धांत के बारे में विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से खेत की मिट्टी बीमार नहीं होती रसायन मुक्त उपज स्वास्थ्य, गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा पर्यावरण भी शुद्ध रहता है। स्वस्थ जीवन का आधार प्राकृतिक खेती है। कृषि वैज्ञानिक डा. हरिओम वर्मा द्वारा प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों जैसे बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत आदि बनाने का तरीका और उनके प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ ही इसका प्रायोगिक प्रदर्शन भी कराया गया। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डा. रूपेश सिंह द्वारा फसल अच्छादन की विधियों एवं कीटो, रोगों आदि से बचाने के लिए निमास्त्र, अग्नेयास्त्र, मठरास्त्र आदि के बारे में विस्तार से बताने के साथ ही प्रायोगिक प्रदर्शन भी कराया गया। कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेंद्र प्रताप ने बताया कि प्रशिक्षित कृषि सखियां अपने–अपने कार्य क्षेत्र में क्लस्टर के चयनित कृषकों को प्रशिक्षण देने के साथ ही अपने खेतों पर प्राकृतिक खेती मॉडल स्थापित करके अपने क्षेत्र हेतु रोल मॉडल भी बनेंगी। योजना के अंतर्गत एफपीओ, स्वयं सहायता समूह, प्रगतिशील कृषक जैव इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थापित करेंगे, जैव इनपुट संसाधन केंद्र से प्राकृतिक खेती के उत्पादों का क्रय विक्रय होगा एवं वीआरसी स्टार्टअप की भूमिका में कार्य करेंगे। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने किया। इस मौके पर एसएमएस डा. तेजबल सिंह, पल्लवी विष्वकर्मा, अमित सिंह, सुनील वर्मा, अमित मिश्र, अशोक कुमार आदि सहित चयनित कृषि सखियां मौजूद रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में विमर्श, सैकड़ों शिक्षकों ने लिया संघ की सदस्यता

बस्ती, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार में सोमवार को जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आगामी 10 मई को होने वाले जिला कार्यसमिति के चुनाव को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने संघ की सदस्यता लिया। प्रदेश संगठन द्वारा जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह को बस्ती मण्डल का माण्डलिक मंत्री मनोनीत किए जाने पर शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया।नवनियुक्त मांडलिक मंत्री ने प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए भव्य स्वागत के लिए शिक्षकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संघ ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका निष्ठा से निर्वहन करूंगा। शिक्षकों की जो भी समस्याएं हैं उसके निदान तक हर स्तर से लड़ाई जारी रहेगी। जिलाध्यक्ष और जिलामंत्री द्वारा सल्टौआ ब्लॉक के बब्बन पाण्डेय, चंद्रशेखर पाण्डेय, कुलदीप द्विवेदी, तरुण कन्नौजिया, भास्कर दूबे, वीरेंद्र शर्मा, अखिलेश श्रीवास्तव, विनय कुमार, अजय त्रिपाठी, महेंद्र कन्नौजिया, विनय शुक्ल, ध्रुव लाल मिश्र, जितेंद्र कुमार, चंद्रभूषण, सुनील भट्ट, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विवेक कुमार, सौरभ शुक्ल, सिद्धार्थ कुमार, रंजीत गौतम, डॉ अश्वनी पाण्डेय सहित सैकड़ों शिक्षकों को संघ की सदस्यता दिलाकर सभी का स्वागत किया गया। संघ के सदस्य शिक्षक नेता बब्बन पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश से लेकर ब्लॉकों तक यही संघ मान्यता प्राप्त है और संघर्ष कर रहा है,

शिक्षको को भी इसी संघ पर विश्वास है। इसलिए हम सभी ने आज सदस्यता ग्रहण किया। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव व जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र ने कहा कि आगामी 10 मई को जनपदीय कार्यसमिति का चुनाव है जिसके लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जा चुका है। ब्लॉक कार्यकारिणी को सदस्यता आदि को लेकर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नियमानुसार कोई भी शिक्षक किसी भी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याएं बहुत हैं। हमें ऐसे पदाधिकारी का चुनाव करना है जो हमारी समस्याओं के लिए लड़ सके। इस अवसर पर राजेश गिरी, उमाकान्त शुक्ल, प्रताप नारायण, शिव रतन, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, विवेक कान्त पाण्डेय, हरेंद्र यादव, देवेंद्र सिंह, डॉ प्रमोद सिंह, सुरेश गौड़, सनद पटेल, अशोक यादव, अखिलेश पाण्डेय, रवि सिंह, राम सागर वर्मा,विनोद यादव, रमा शंकर लाल,शिल्पी पाण्डेय, विजय भारती, मुस्तकीम खान, रमेश विश्वकर्मा, राहुल सिंह, दिवाकर मिश्र, मनोज उपाध्याय, अनीश अहमद, दौलतराम, विनय चौधरी, लालचंद, हरि गोपाल, हृदय विकास, प्रशांत बरगाह, अनिल कुमार, सत्यराम वर्मा, गिरजेश सिंह, सर्वदेव सिंह, राकेश सिंह, पवन यादव, धर्मराज यादव, असलम, सुशील गहलोत, नितिन सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मनबढ़ है सेवानिवृत्त होमगार्ड, भाई ने दर्ज कराया था केस

गोरखपुर, (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के चौतीसा गांव में शराब के नशे में धुत सेवानिवृत होमगार्ड ने शनिवार की रात अपनी लाइसेंसी दो नाली बंदूक से बड़े बेटे को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। बचाव करने पहुंची छोटी बहू को भी गोली मार दी। सोमवार को पुलिस ने हिरासत में लिए गए आरोपी सेवानिवृत होमगार्ड को जेल भिजवाया दिया। उसके विरुद्ध पूर्व में भाई ने ही बड़हलगंज थाने में केस दर्ज कराया था। वह शुरू से ही मनबढ़ प्रवृत्ति का था। उसकी कारगुजारी से आसपास के लोग भी त्रस्त रहते थे। चौतीसा गांव निवासी हरि यादव सेवानिवृत होमगार्ड है। लोगों का कहना है कि वह शुरू से ही मनबढ़ प्रवृति का रहा है। उसके व्यवहार से परिवार के साथ आसपास के लोग भी परेशान रहते थे। नशे में धुत होकर किसी से भी मारपीट पर उतारू हो जाता था। वर्ष 2023 में सेवानिवृत होमगार्ड ने अपने ही सगे भाई प्रदीप नारायण के साथ मारपीट की थी। इस मामले में भाई ने सेवानिवृत्त होमगार्ड हरि नारायन यादव, पत्नी विमला देवी, बड़ी बहू नीतू देवी व बड़े बेटे अनूप नारायन यादव के विरुद्ध केस दर्ज कराया था। शनिवार को हरि यादव नशे की हालत में घर पहुंचा और विवाद करने लगा। आरोप है कि घर से अपनी दो नाली बंदूक लेकर बड़े बेटे अनूप यादव को मारने पहुंचा। यह देख हरि यादव की छोटी बहू सुप्रिया अपनी सास विमला देवी के साथ भागते हुए मौके पर पहुंची। तब तक हरि यादव ने अनूप यादव पर गोली चला दी। इसके बाद फिर फायरिंग करने वाला ही था कि उसकी बहू ने उसे रोकने का प्रयास किया, जिसमें वह भी घायल हो गई थी। इस घटना में बड़े बेटे अनूप यादव की मौत हो गई। रविवार को पुलिस ने अनूप की पत्नी नीतू देवी की तहरीर पर आरोपी हरि यादव के विरुद्ध केस दर्ज कर सोमवार को जेल भिजवा दिया। बीते शनिवार को नशे धुत सेवानिवृत होमगार्ड हरि यादव की गोली से घायल छोटी बहू को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उसके हाथ व पेट में छर्रा लगा था। इलाज के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ थी। परिजन उसे डिस्चार्ज कर घर लाने वाले थे, परंतु डॉक्टरों ने जख्म ताजा होने के चलते उसे रोक दिया। सोमवार को उसकी सास विमला देवी सुप्रिया के बेटा और बेटी को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंच गई। घटना के दिन से दोनों बच्चे दादी के पास ही थे। दोनों मां को देखने की जिद कर रहे थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।